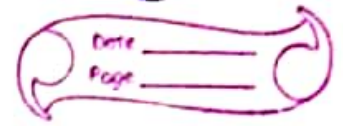


सिन्धु घाटी सभ्यता



सिन्धु घाटी सभ्यता (पूर्व हड़प्पा काल - 3300 - 2500 ईसा
पूर्व, परिपक्व काल - 2600 - 1900 ईसा पूर्व, उत्तरार्ध हड़प्पा
काल - 1900 - 1300 ईसा पूर्व)

विश्व की प्राचीन नदी घाटी सभ्यताओं में से एक प्रमुख सभ्यता है। जो मुख्य रूप से दक्षिण एशिया के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्रों में, जो आज तक उत्तर पूर्व अफगानिस्तान तीन सुरक्षा कालक्रमों में से एक थी, और इन तीनों में से, सबसे व्यापक तथा सबसे चर्चित। सम्मानित पत्रिका नैचर में प्रकाशित शोध के अनुसार यह सभ्यता कम से कम 8,000 वर्ष पुरानी है। यह हड़प्पा सभ्यता के नाम से भी जानी जाती है।

इसका विकास सिन्धु और घग्घर/हड़प्पा (प्राचीन सरस्वती) के किनारे हुआ। हड़प्पा, मोहन जोदड़ो, कालीबंगा, लोथल, खोलावीरा और राखीगढ़ी इसके प्रमुख केंद्र थे। दिसम्बर 2014 में गिराणा के सिन्धु घाटी सभ्यता का अठारक का खोजा गया सबसे प्राचीन नगर माना गया है। ब्रिटिश काल में हुई खुदाइयों के आधार पर पुरातत्ववेत्ता और इतिहासकारों का अनुमान है कि यह अत्यन्त विकसित सभ्यता थी और ये शहर अनेक बार लूटे और उलझे हैं।

पानी की कमी में पहली बार जब लोगों ने पंजाब प्रान्त में ईरी के लिए मिट्टी की खुदाई की तब उन्हें वहाँ से बनी बनाई ईंटें मिली जिसे लोगों ने भगवान का चमत्कार माना और इनका उपयोग घर बनाने में किया उसके बाद 1826 में चार्ल्स मैसोन ने पहली बार इस पुरानी सभ्यता का खोजा। कनिंघम ने 1856 में इस सभ्यता के बारे में कराची से लाहौर -

के मध्य बेलवे लार्डन के निर्माण के दौरान
वर्टन वन्चुओं द्वारा एडप्पा स्थल की खोज
सकार को दी। इसी क्रम में 1861 में एलेक्जेंडर
कनिंघम के निदेशन में भारतीय पुरातत्व विभाग की
खोज की गयी। 1902 में लार्ड कर्जन द्वारा जॉन
मार्शल को भारतीय पुरातत्विक विभाग का महानिदेशक
पनामा गया। फ्लीट के इस पुरानी सभ्यता के
बारे में एक लेख लिखा। 1921 में कमराम साहनी ने
एडप्पा का उत्खनन किया। इस प्रकार इस सभ्यता
का नाम एडप्पा सभ्यता रखा गया। राखलदास
बेनर्जी को मोहनजोदड़ों का खोजकर्ता माना गया।
मह सभ्यता सिन्धु नदी घाटी में फैली
हुई थी। इसलिए इसका नाम सिन्धु घाटी सभ्यता रखा
गया। प्रथम बार नगरों के उद्गम के कारण इसे प्रथम
नगरीकरण की कहा जाता है। प्रथम बार कांस्य
के प्रयोग के कारण इसे कांस्य सभ्यता भी कहा
जाता है। सिन्धु घाटी सभ्यता के 1400 केंद्रों को
खोजा जा सका है जिसमें से 725 केंद्र भारत में
हैं। 30 प्रतिशत स्थल सरस्वती नदी और उसकी
सहायक नदियों के आस-पास हैं। अभी तक कुल
खोजों में से 3 प्रतिशत स्थलों का ही उत्खनन
हो पाया है। नए शोध में सिन्धु घाटी सभ्यता
के महान शक्ति और नाग के प्रमाण मिले हैं।
उस आधार पर कहा गया है कि मह सभ्यता
निष्ठा जाति भील से सम्बन्धित रही होगी।

Next - सिन्धु सभ्यता का विस्तार